if so, what steps do Government propose to take in this direction?

Mr. Speaker: Shri Saraf.

Shri Kapur Singh: My question has not been answered.

Mr. Speaker: I thought there could not be any answer. The question itself was suggestive of the answer.

Shri Sham Lal Saraf: May I know if integrated inter-State schemes, basin-wise, if any, have been taken up and if so, what are such basins?

Dr. K. L. Rao: The flood control works are taken under two heads—what we call the immediate and long-term planning. While we have got plans for the basin-wise flood control schemes, we have not yet taken the long-term measure.

Shrimati Jyotsna Chanda: May I know whether there is any scheme submitted by the Assam Government, or any scheme is with the Central Government, to save the district of Cachar from the floods caused by the rivers Katakhol and Dhaleswari, which come from the Mizo districts?

Dr. K. L. Rao: It is true that a lot of flood damage is done in the district of Cachar. There have been some schemes considered, but no specific scheme has been sent by the Assam Government. The Centre also, which has been investigating the matter has not come to any final decision about these schemes.

जवानों की जीवन बीमा निगम की पालिसियां

\+

*२४२. श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री चतर सिंह :
श्री भी० प्र० यादव :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :
श्री कर्णी सिंहजी :
श्री वि० भ० देव :
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जीवन बीमा निगम ने प्रतिरक्षा-सेवाओं के उन कर्मचारियों की पालिसियों का धन देना स्वीकार कर लिया है जो लापता बताये गये हैं अथवा जिन के बारे में समझा जाता है कि वे मारे गये ; और

(ख) यदि हां, तो कितनी धनराशि तक की पालिसी का भुगतान होगा ?

योजना मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क) और (ख). सभा की मेज पर एक विवरण रखा जा रहा है ।

विवरण

(क) और (ख). भारतीय जीवन बीमा निगम ने रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के संबंध में दावों की अदायगी करना मान लिया है जो युद्ध-क्षेत्र में तैनात किए गए थे और जो लड़ते हुए लापता हुए हैं और जिन के बारे में सरकारी तौर पर यह माना जाता है कि वे मारे गए हैं ।

जहां मृत माने गए रक्षा सेवा कर्मचारी की सभी बीमा पालिसियों की कुल रकम १०,००० रुपया से ज्यादा निकलती हो, वहां सरकारी तौर पर मृत माने गये कर्मचारी के संबंध में दावे के भुगतान की रकम १०,००० रुपये तक सीमित रहेगी । बीमे की बाकी रकम के बारे में, यदि कोई हो, भारतीय जीवन बीमा निगम ने यह बताया है कि मौत का पक्का सबूत न मिलने पर अदायगी के सवाल पर तभी विचार किया जा सकता है जब न्यायालय की डिगरी के जरिए कानूनी तौर से यह मान लिया जाय कि बीमा कराने वाले की मत्यु हो चुकी है । लेकिन यह तभी हो सकता है जब सात साल तक उस के बारे में कुछ भी सुनाई न पड़े ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : मैं जानना चाहूंगा कि कितने कर्मचारी ऐसे हैं जिन का बीमा हो रहा है और वे मर गए हैं या लापता हैं तथा सरकार को कुल कितनी रकम देनी

होगी । जो रकम दी जायेगी वह इन्स्टालमेंट्स में दी जायगी या एकमुश्त दी जायगी ।

श्री ब० रा० भगत : यह प्रश्न कर्मचारियों से नहीं जवानों से संबंधित है ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : मैं जवानों के बारे में ही पूछ रहा हूं । कर्मचारियों में वे भी आ जाते हैं ।

श्री ब० रा० भगत : अभी कितने हैं इस की संख्या तो मालूम नहीं है । जैसे जैसे उन के क्लेम्स आयेंग उन पर छान बीन कर के उन को रुपया दिया जायगा । अभी तो यह स्कीम बतलाई गई है । जिस के आधार पर उन को रुपया दिया जायेगा ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : जो रुपया उन को पहले अनुदान के रूप में या सेवा के रूप में दिया गया था वह इस बीमे की रकम में से काटा जायेगा या नहीं ।

श्री ब० रा० भगत : यह अलग बात है । यह उन का बीमा है जिस की पालिसी का रुपया उन को दिया जायेगा । इस आधार पर अनुदान की बात अलग है ।

श्री कछवाय : मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार के पास यह सूचना आई है कि जिन लोगों की बीमा पालिसी है उन में से कितने जवान लापता हैं ।

अध्यक्ष महोदय : यह तो उन्हों ने बतलाया कि जब लोग दरख्वास्त देंगे तो उस से पता चलेगा ।

श्री ब० रा० भगत : इस के लिये डिफेंस मिनिस्ट्री से बात चीत हो रही है । वह लिस्ट देंगे । अभी तो मैं ने जो स्कीम एल० आई० सी० ने मंजूर किया है उस का विवरण रक्खा है ।

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या सरकार के ध्यान में यह बात आई है कि इस परिस्थिति में जिन व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है उन्हें बीमा निगम की ओर से जो रुपया दिया जाता है उस के लेने में काफी कठिनाई होती है, और क्या ऐसी परिस्थिति में जवानों के लिए कोई विशेष सुविधा प्रस्तुत करने के प्रश्न पर सरकार ने विचार किया है जिस में उन के परिवार वालों को आसानी से रुपया मिल सके ।

श्री ब० रा० भगत : हर कोशिश की जायेगी कि इस रुपये के देने में कोई देर न हो । एक बार अगर डिफेन्स मिनिस्ट्री की तरफ से वह लिस्ट आ जायेगी कि इतने लोग लापता हैं या मर गये हैं तो उन को १०,००० रु० देने में देर नहीं होनी चाहिये । इस की कोई वजह नहीं है कि देर हो ।

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : जितने जवान मर गये हैं या गायब हो गये हैं उन में से कितनों के परिवारों ने दरख्वास्त दी है कि उन को रुपया मिलना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : यह तो कम्पनी को देखना है ।

चेचक उन्मूलन सप्ताह

*२४३. **श्री भी० प्र० यादव** :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री भागवत झा आजाद :
श्री द्वा० ना० तिवारी :
श्री रा० गि० दुबे :

क्या **स्वास्थ्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत सरकार द्वारा २५ सितम्बर, १९६३ से चेचक उन्मूलन सप्ताह मनाया गया था ;

(ख) यदि हां, तो भारत सरकार ने कितने टीके राज्य सरकारों को भेजे और उन में से कितनों का उपयोग किया गया ; और